

representative in the UN Security Council where he quoted President Ayub Khan as saying that these particular riots were a sort of plebiscite which had proved the Pakistan stand in regard to a referendum? In reply to this, our representative stated that this has proved that they were against the local administration in Kashmir and that they have full confidence in the Centre. I would like to know whether our representative got a brief from India for saying this or he said this on his own. If his statement is correct, what action has been taken by the Government to replace the corrupt Government there?

Mr. Speaker: That is too much removed from the main question.

Shri S. M. Banerjee: I rise to a point of order.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक ही सवाल है। इसके बारे में मुझे सप्लीमेंटरी सवाल पूछने का मौका दिया जाये।

Mr. Speaker: We have spent more than 12 minutes on this question. There is a reference to it in the President's Address as well. That is to be discussed for four days. I cannot allow more than this. A regular discussion cannot take place now.

Shri S. M. Banerjee: My only submission is that it has a direct relation with this. In connection with the theft of the sacred relic, this was quoted by the Pakistan representative in the UN Council, and our representative said that that has proved that the Government there is corrupt....

Mr. Speaker: That is a different thing. That can be taken up during the debate on the President's Address, not just now.

Next question.

श्री श्रींकार लाल बरवा: अध्यक्ष महोदय, यह बहुत जरूरी सवाल है। यह बहुत महत्व-

पूर्ण प्रश्न है। मुझे पूरक प्रश्न पूछने का अवसर दिया जाये।

श्री राम सेवक यादव : किसी सवाल का उत्तर ही नहीं मिलता है।

श्री विश्राम प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि मेरा नाम आठवां था। आपने बहुत से माननीय सदस्यों को बुलाया, लेकिन मुझे सप्लीमेंटरी पूछने का चांस नहीं दिया।

अध्यक्ष महोदय : मैंने माननीय सदस्य के नाम का स्थान नहीं किया। माननीय सदस्य जानते हैं कि इस सवाल के लिए ४५ नाम थे। क्या मैं ४५ माननीय सदस्यों को बुला सकता था ?

श्री विश्राम प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्बर आठवां था। मुझे तो अवसर मिलना चाहिये था।

अध्यक्ष महोदय : अब मैं माफ़ी चाहता हूँ। मैं माननीय सदस्य को फिर मौका दे दूंगा।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, अगर इस सवाल के लिए ४५ माननीय सदस्यों ने नाम दिये हैं, तो उन ४५ माननीय सदस्यों को मौका मिलना चाहिये था कि सप्लीमेंटरी पूछ सकते, नहीं तो ४५ सदस्य क्यों अपने नाम देते। यह एक बहुत जरूरी सवाल है, जिसका सारे देश से सम्बन्ध है।

अध्यक्ष महोदय : नैकटस्ट क्वैस्टियन।

Future Set-up of Delhi

+

{ Shri Yashpal Singh:
Shri Dhaon:
Shri B. P. Yadava:
Shri Bishanchander Seth:
Shri P. C. Borooah:
*32. Shri Bhagwat Jha Azad:

Shri Maheswar Nalk:
Shri R. G. Dubey:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri N. R. Laskar:
Shri Ulaka:
Shri Subodh Hansda:
Shri Warrior:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri Mohan Swarup:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri J. B. S. Bist:
Shri Kajrolkar:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri Jedhe:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to refer to reply given to Unstarred Question No. 1900 on the 18th December, 1963 and state:

(a) whether any decision has been taken in regard to the future political set-up of Delhi; and

(b) if so, the nature thereof?

The Minister of Home Affairs (Shri Nanda): (a) and (b). The matter is still under consideration.

श्री यशपाल सिंह : क्या यह सही है कि मुक्तलिफ्ट पार्टियों के लीडरों ने—मुखालिफ्ट पार्टियों के लीडरों ने भी और कांग्रेस पार्टी के लीडरों ने भी—यह मांग की है कि नई दिल्ली एरिया को भी मैट्रो-पालिटन कौंसिल के मातहत रखा जाये ?

श्री नन्दा : बहुनों की तरफ से यह बात खड़ी की गई है ।

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस में कितनी देर लग जायेगी और सरकार कब तक इस बारे में फ़ाइनल डिसिजन लेगी ।

श्री नन्दा : अभी बातचीत जारी है । जब बातचीत खत्म हों जायेगी, तो इस बारे में फ़ैसला किया जायेगा ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूँ कि सरकार की ओर से बारबार जो इस प्रश्न का उत्तर यह दिया जाता है कि प्रश्न विचाराधीन है, क्या उसका कारण यह है कि इस प्रकार की कठिनाइयाँ उत्पन्न हो गई हैं कि दिल्ली के राजनैतिक दल बहुत अधिकार मांगते हैं और सरकार उन को नहीं देना चाहती है ? मैं यह जानना चाहता हूँ कि आखिर इस बारे में क्यों शीघ्र निर्णय नहीं हो रहा है ।

श्री नन्दा : एक कारण तो यह है कि हमारी यह इच्छा है कि सब से सलाह-मशवरा किया जाये । मेरे पास एक लिस्ट है कि शहर के पंद्रह बीस नेताओं और ग्रुप्स के रिप्रेजेंटेटिव्स से मुलाकात हुई, बातचीत हुई । उनमें आपस में भी इज़लाफ़ है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं तो यह जानना चाहता हूँ कि क्या कारण है कि सरकार सब से बात करने के बाद भी किसी हल पर नहीं पहुँच सकी है । माननीय मंत्री किस किस से मिले, यह प्रश्न नहीं है ।

श्री नन्दा : यह एक सिलसिला है बातचीत का । यह जब खत्म होगा, तब फ़ैसला होगा ।

Shri P. C. Borooah: Do the Union Government propose to take over some subjects like power and transport from the purview of the Delhi Administration under the revised scheme? If so, what are the actual subjects?

अध्यक्ष महोदय : माननीय मंत्री ने कहा है कि इस बारे में अभी कोई फ़ैसला नहीं हुआ है । क्या मिनिस्टर साहब इस का कुछ जवाब दे सकते हैं ?

श्री नन्दा : पावर, ट्रांसपोर्ट, वाटर वगैरह सब चीजों के बारे में बातचीत हो रही है ।

श्री सरजू पाण्डेय : समाचारपत्रों में यह प्रकाशित हुआ है कि माननीय गृह मंत्री

ने विभिन्न राजनीतिक प्रतिनिधियों से बात-चीत करने के बाद यहां पर एक सिटी कौंसिल के निर्माण का फ़ैसला कर लिया है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या वाकई सिटी कौंसिल बनाने का फ़ैसला किया गया है।

श्री नन्दा : मंत्रौपालिटन कौंसिल बनाने की बात है और यह भी उन तजवीजों का एक हिस्सा है।

Dr. L. M. Singhvi: May I know whether Government are in a position to tell us that the question of creating a High Court for Delhi will also be decided at the same time, and whether they are prepared to give any date for the decision?

Shri Nanda: That is a separate question.

श्री भागवत झा आजाद : क्या यह बात सच है कि जिन राजनीतिक पार्टियों ने इस सम्बन्ध में अपने दिवार माननीय मंत्री जी के सामने व्यक्त किये हैं, उन में किसी भी एक प्रश्न पर कहीं भी कोई समता नहीं है ?

श्री नन्दा : कई बातों में उन की एक राय है।

Shrimati Savitri Nigam: May I know whether the majority of representatives of various groups have expressed their view that a popular set-up for Delhi should be given?

Shri Nanda: This question has been asked again and again and I have given a definite answer in the negative.

Shri P. R. Chakraverti: May I know what steps have been taken to fulfil the assurances given to the people of Delhi in the general elections by the ruling party?

Shri Nanda: It is too vague.

Shri Warrior: What are the main reasons or circumstances which keep

the Government back from coming to an early decision?

Mr. Speaker: That he has given.

Shri Warrior: It was given in Hindi, I could not make out.

Mr. Speaker: Still the consultations are going on with the various parties.

श्री विभूति मिश्र : चूँकि दिल्ली भारत की राजधानी है, इसलिए क्या सरकार उन लोगों से भी यह दर्याप्त करना चाही है कि वे यहां पर किस प्रकार का प्रशासन चाहते हैं, जोंकि दिल्ली के नहीं हैं, लेकिन दिल्ली में रहते हैं ?

श्री नन्दा : अगर किसी को अपनी राय जाहिर करनी हो, तो वह भेज सकते हैं।

Shri Sonavane: Has the previous experience of the running of the Delhi Government been taken into consideration by the Central Government in coming to a decision?

Shri Nanda: This is an elementary consideration.

Autonomy for Hill Districts of Assam

+

- *33. { **Shri P. C. Borooah:**
Shri Maheswar Naik:
Shri Harish Chandra Mathur:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Indrajit Gupta:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri C. K. Bhattacharyya:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government have re-viewed their decision for grant of autonomy to Hill districts in Assam in the light of the discussions the Assam Members of Parliament had with the Prime Minister recently; and

(b) if so, how the decision has been modified or revised?